वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 103 | मंगलवार 6 अगस्त 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रवीन्द्र मंच पर नाटक ब्लैक बिंदी ने बटोरी तालियां

जयपुर. कासं

यथार्थ सोसाइटी की ओर से नाटक ब्लैक बिंदी नाटक का मंचन रवीन्द्र मंच पर किया गया। नाटक का निर्देशन महबूब और रोहिताश योगी ने किया। नाटक अंतरराष्ट्रीय रंग युवा निर्देशक सिकंदर खान की ओर से लिखित है और सिकंदर के मार्गदर्शन में बना है। नाटक के किरदार अपूर्वा चतुवेर्दी, मो. दाऊद कुरैशी, सुमन सुहाग, महेश शर्मा, रितिक ललनी , राजीव बैरवा, रोहिताश योगी, खुशी शर्मा ने निभाए। नाटक में सहायक निर्देशक सुमन सुहाग एवं राजीव बैरवा रहे। लाइट संचालक महबूब व संगीत का संचालन जय सेनी ने किया। सेट डिजाइन खुशी शर्मा ने किया। वस्त्र विन्यास व रूप सज्जा रितिक ललनी ने की। नाटक का मुख्य पात्र बोल नहीं सकता इसके बावजूद वह सब कुछ कह गया। नाटक दर्शकों की ओर से बहुत सराहा गया। नाटक में बहुत मार्मिक दृश्य थे जो दर्शकों को रुलाने में कामियाब रहे। दर्शकों ने नाटक के अंत में खड़े होकर कलाकारों का अभिवादन किया। युवा निर्देशकों का सटीक निर्देशन सराहनीय है। ब्लैक बिंदी नाटक समाज की उस सड़ी गली विचारधारा पर उभरता हुआ कलंक है जो सभ्य समाज में जीने के पैमाने निर्धारित करता है। वह समाज, जो खुद को सभ्य बनाने में सदियों से पाखंडों, कुरीतियां को संस्कृति के नाम से सब पर थोपता आया है, वहां आज भी प्रेम को जिंदा रहने के लिए कई कुर्बानियां देनी पड़ती है या यूं कहे कि प्रेम का अर्थ ही स्वयं की कुर्बानी देना है और अगर प्रेम समलैंगिक हो तो परिवार ही जमीन पर नर्क का द्वार खोल देता है।

राज्यपाल ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री से मुलाकात की

जयपुर. कासं। राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। राज्यपाल ने उनसे राजस्थान के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी।

बीकानेर हाउस में धूमधाम से मनाया गया रंगारंग तीज उत्सव 2024

रूडा क्रॉफ्ट मेले का भी किया जा रहा आयोजन, गायक सवाई भट्ट ने सांस्कृतिक संध्या में दी प्रस्तुति

जयपुर. कासं

राजस्थानी तीज उत्सव 2024 में संस्कृति, परंपरा और शिल्प कौशल का भव्य आयोजन सोमवार को नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में एक रंगारंग सांस्कृतिक संध्या के साथ शुरू हुआ। यह आयोजन एक सप्ताह तक चलने वाले रूडा क्रॉफ्ट मेले की शुरूआत है। 11 अगस्त तक चलने वाले इस मेले में राजस्थान की उत्कृष्ट कला और शिल्प कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। तीज उत्सव में पारंपरिक संगीत, नृत्य और राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने वाले प्रदर्शन शामिल रहेंगे। इस संध्या में विशिष्ट अतिथियों और कलाकारों ने अपनी उपस्थिति और प्रदर्शन से उत्सव के माहौल को और बेहतर बना दिया। इस अवसर पर मुख्य सचिव और मुख्य आवासीय आयुक्त सुधांश पंत ने कहा कि रूडा क्रॉफ्ट मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं है, बल्कि राजस्थान के शिल्पकारों के कौशल और रचनात्मकता का उत्सव है। यह उन्हें एक व्यापक दर्शकों तक पहुंचने और आजीविका को बढ़ावा देने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि हम सभी को राजस्थान की सुंदरता और विविधता का अनुभव करने के लिए बीकानेर हाउस में आमंत्रित करते हैं। प्रमुख आवासीय आयुक्त आलोक ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि तीज उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का उत्सव है। यह राजस्थान की रंगारंग कला और शिल्प को एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जहां कलाकार अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हैं। हमें गर्व है कि हम इस उत्सव को दिल्ली और उससे बाहर के लोगों के लिए पेश कर रहे हैं और हमें उम्मीद है कि यह उत्सव सभी को खुशी और प्रेरणा प्रदान करेगा। सांस्कृतिक संध्या की संगीतात्मकता में चार चाँद लगाते हुए प्रसिद्ध गायक सवाई भट्ट ने अपनी मधुर धुनों पर पारंपरिक राजस्थानी गीतों का जादू बिखेरा। आयोजन पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए अतिरिक्त आवासीय आयुक्त श्रीमती अंजू ओमप्रकाश ने तीज उत्सव 2024 के आयोजन को प्रवासी राजस्थानी के लिए एक सम्मान की बाताया। उन्होंने कहा कि यह उत्सव राजस्थान की समृद्ध संगीत परंपरा का सुंदर प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा इस हैंडीक्राफ्ट मेले का आयोजन करके दिल्ली वासियों के लिए प्रसिद्ध राजस्थानी वस्तुओं को एक ही परिसर में खरीदारी के लिए उपलब्ध करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि बीकानेर हाउस में 11 अगस्त तक रूडा के माध्यम आयोजित हो रहे क्रॉफ्ट मेले में हस्तनिर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की जा रही है, जिसमें वस्त्र, मिट्टी के बर्तन, आभूषण आदि शामिल हैं। यह मेला न केवल आगंतुकों को प्रामाणिक राजस्थानी शिल्प खरीदने का अवसर देता है, बल्कि शिल्पकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने और जनता से सीधे रू-ब-रू होने का मंच भी प्रदान करता है।

आचार्य अतिवीर मुनिराज का ऐतिहासिक चातुर्मास कलश स्थापना संपन्न

उपाध्याय रविन्द्र मुनि ने भेंट की नवीन पिच्छी

नई दिल्ली। छाणी परंपरा के पंचम पट्टाचार्य श्री 108 विद्याभूषण सन्मति सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य आचार्य श्री 108 अतिवीर जी मुनिराज के मंगल चातुर्मास हेतु भव्य कलश स्थापना समारोह का ऐतिहासिक आयोजन दिनांक 4 अगस्त 2024 को व्यापक धर्मप्रभावना के साथ श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर, अशोक विहार फेज-1 के समीप महाराजा अग्रसेन भवन के प्रांगण में सानंद संपन्न हुआ। समाज के सौभाग्यशाली महानुभावों द्वारा ध्वजारोहण, मंगलाचरण, चित्र अनावरण, जिनवाणी विराजमान, दीप प्रज्जवलन, शास्त्र भेंट व पाद-प्रक्षालन आदि समस्त

मांगलिक क्रियाएं डॉ. श्रेयांस कुमार जैन (बड़ौत) व पं. नरेश कुमार जैन कांसल (हस्तिनापुर) के निर्देशन में संपन्न हुईं। चातुर्मास मुख्य कलश स्थापित करने का परम सौभाग्य प्रमोद जैन सपरिवार 'महावीरा', सुभाष जैन सपरिवार तथा प्रभुदयाल जैन सपरिवार को प्राप्त हुआ। अन्य सौभाग्यशाली महानुभावों ने विशेष चातुर्मास कलश स्थापित कर पुण्यार्जन किया। इस अवसर पर आचार्य श्री द्वारा पिच्छिका परिवर्तन भी किया गया। जैन समाज के इतिहास में संभवतः यह प्रथम अवसर था जब श्वेताम्बर संत ने दिगम्बर मुनिराज के कर-कमलों में संयम का उपकरण भेंट किया। मंच पर विराजमान श्रमण संघीय उपाध्याय रत्न श्री रविन्द्र मुनि जी म.सा. ने नजफगढ़ जैन समाज से नवीन पिच्छी प्राप्त कर विनयपूर्वक पूज्य आचार्य श्री के कर-कमलों में भेंट की। जैन एकता और संगठन को मजबूत करते हुए यह दृश्य बहुत ही सुखद थे। आचार्य श्री की पुरानी पिच्छी प्राप्त करने का सौभाग्य शासन कुमार जैन सपरिवार (प्रशांत विहार) को मिला।

रिपोर्ट समीर जैन

जैन सोशल ग्रुप नार्थ द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। नोर्दन रीजन द्वारा आयोजित सामाजिक कार्य के पखवाड़ा के तहत पहले दिन 4 अगस्त को जयसिंहपूरा, भांकरोटा मे स्थित श्री प्रेमपूरी जी फॉर्म्स हाउस पर सघन वृक्षारोपण किया। ग्रुप के सचिव विशुतोष चाँदवाड एवं पखवाड़े के मुख्य संयोजक अजय बड़जात्या ने बताया कि ग्रुप के सदस्यों द्वारा रविवार को फॉर्म्स हाउस मे विभिन्न प्रकार के पेड़ - पौधों का वृक्षारोपण किया जिसमे मुख्य रूप से नीम, बादाम, राम फल, सीताफल, आँवला, सिंदूर आदि थे। इस अवसर पर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष मनीष झांझरी, पूर्व अध्यक्ष अभय गंगवाल, सह सचिव महेंद्र जैन, कोषाध्यक्ष सुकेश काला, सभी कार्य कारिणी सदस्य एवं सदस्य उपस्थित थे।

जिनवाणी सुनकर मन में जागृत होनी चाहिए भगवान बनने की भावना : आचार्य सुंदरसागर महाराज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। मनुष्य जीवन अनमोल है जिसे व्यर्थ नहीं गवाएं ओर उसकी परणिती एक मुट्ठी राख में नहीं होने दे। मनुष्य जीवन पाकर आत्मकल्याण के लिए पुरूषार्थ कर सिद्धत्व प्राप्ति को अपना लक्ष्य बनाए। जीवन में कषाय कम करेंगे तो भाव निर्मल होंगे। भाव में विशुद्धि आपके चरित्र को उपर उठाएगी ओर गुणस्थान में अभिवृद्धि करेगी। यही गुणस्थान वृद्धि एक दिन आत्मतत्व में लीन कर भगवत्ता प्रकट कराएगी। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक (वर्षायोग) प्रवचन के तहत सोमवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि जिनवाणी के माध्यम से भगवान महावीर की वितराग वाणी सुनकर भव्य जीव भगवान बन जाते है। जिनवाणी के रूप में भगवान की देशना सुनकर हमारे मन में भी भगवान बनने की भावना जागृत होनी चाहिए। जो सच्चे मन से जिनवाणी श्रवण करता है वह जीवन के परम लक्ष्य की प्राप्ति कर सकता है। आचार्यश्री ने कहा कि भावों की विशुद्धि हो जाने पर हम जिनवाणी श्रवण के पात्र बन जाते है। सासारिक साधन कषाय वृद्धि करते है। भाव विशुद्ध होने पर कषाय घटेंगे, जीवन में निर्मलता आएगी ओर साधु-संतो के प्रति अनुराग बढ़ेगा व घर से मोह कम होगा। मानव भव मिलना दुर्लभ है यह सोच कर वर्तमान को सुधार लेना चाहिए। आचार्य सुंदरसागर महाराज ने कहा कि अपने अंदर भगवान को विराजमान करना चाहते है तो मन को कषाय मुक्त कर जीवन को कोरा कागज समान बनाना होगा। तभी आत्मा के अनंतगण प्रकट होकर भगवान बन सकेंगे। जीवन में वाणी में मधुरता रखने से समता ओर समरसता बढ़ेगी ओर इससे गुणस्थान भी उत्तम होगा। असत्य, माया व अभिमान हमारे गुणस्थान को नीचे ले जाते है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के मीडिया प्रभारी भागचंद पाटनी ने बताया कि सभा में दीप प्रज्वलन के बाद पूज्य आचार्य गुरूवर का पाद प्रक्षालन कर उन्हें शास्त्र भेंट व अर्ध समपर्ण राकेश पाटनी, निर्मल सरावगी, राजेन्द्र टोंग्या, पीके सरावगी,महावीरप्रसाद बाकलीवाल आदि ने किया। महावीर सेवा समिति द्वारा बाहर से पधारे अतिथियों का स्वागत किया गया। वर्षायोग के नियमित कार्यक्रम श्रृंखला के तहत प्रतिदिन सुबह 6.30 बजे भगवान का अभिषेक शांतिधारा, सुबह 8.15 बजे दैनिक प्रवचन, सुबह 10 बजे आहार चर्या, दोपहर 3 बजे शास्त्र स्वाध्याय चर्चा, शाम 6.30 बजे शंका समाधान सत्र के बाद गुरू भक्ति एवं आरती का आयोजन हो रहा है। -भागचंद पाटनी मीडिया प्रभारी

हरियाली अमावस्या पर जे एस जी प्लेटिनम का 'एक वृक्ष माता पिता के नाम' कार्यक्रम संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया। प्लेटिनम ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि हरियाली अमावस्या एवम फ्रेंडशिप डे के अवसर पर जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम द्वारा अतिशय क्षेत्र अडिंदा पार्श्वनाथ तीर्थ के नव उद्यान परिसर में वृक्षारोपण ग्रुप सदस्यो द्वारा किया गया। ग्रुप अध्यक्ष विपिन जैन ने बताया की रविवार दोपहर 3 बजे सुहावने मौसम में हरियाली अमावस्या के शुभ अवसर पर 110 ग्रुप सदस्यों एवम बच्चों ने 75 से अधिक पौधों का रोपण उद्यान क्षेत्र पर किया गया। कार्यक्रम ''एक वृक्ष माता पिता के नाम'' के अंतर्गत गुड़हल, फॉसल पिंक, तबाबिया रोजिआ के ऑक्सीजन एवम छायादार पौधे लगाए गए। सभी आगंतुक सदस्य परिवारों को एक सुंदर पौधा कॉकपॉर्न फ्रेंडशिप डे पर भेट स्वरूप दिया गया। ग्रुप सचिव सुमित खाब्या ने बताया की कार्यक्रम में अडिंदा तीर्थ क्षेत्र के ट्रस्टी अनिल जैन, ग्रुप परिवार के पूर्व अध्यक्ष प्रीतेश जैन, आशीष रत्नावत, उपाध्यक्ष तनुजय किकावत, सहसचिव लोकेश जैन, कोषाध्यक्ष पंकज जैन एवम कार्यकारिणी सदस्य गीतेश जैन, राहुल जैन, पंकज सुराणा, मनोज जैन व सदस्यों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम पश्चात तीर्थ क्षेत्र के दर्शन कर, क्षेत्र पर विराजित आर्यिका भरतेश्वरी माताजी का उद्बोधन एवम आशीर्वाद लिया गया। भोजन एवम आरती के पश्चात सभी ने प्रस्थान किया। प्रस्थान पूर्व अंत में अध्यक्ष विपिन जैन द्वारा सभी ट्रस्टी सदस्यो, सभी सहयोगी सदस्यो का आभार एवम धन्यवाद प्रकट किया गया।

भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का 53वां अवतरण दिवस मनाया गया

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ के शांतिनाथ प्रभु ने दिखलाया अतिशय

विमल जोला. शाबाश इंडिया

गुन्सी, निवाई । श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का 53 वां अवतरण दिवस हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत चित्राअनावरण दीप प्रज्ज्वलन व मंगलाचरण के साथ हुई। चित्रणावर्ण करने का अवसर नवल जैन अभिषेक जैन मंगल विहार जयपुर सपरिवार को प्राप्त हुआ । अथितियों के स्वागत सत्कार के तत्पश्चात गुरु भक्तों ने अपनी विनयांजलि प्रस्तुत की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टोंक जिले की जिला प्रमुख सरोज बंसल ने पूज्य गुरु माँ के समक्ष श्री फल चढ़ाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान दूसरी ओर मन्दिर जी में शांतिनाथ प्रभु के सिर से अचानक जल की धार प्रारम्भ हो गई जिसे देखने सारी जनता उमड़ पड़ी। इस दौरान पूज्य माताजी के पाद - प्रक्षालन करने का अवसर पी. सी . जैन झिलाय वाले सपरिवार ने प्राप्त किया । शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य राजेन्द्र जैन बिलाला चाकसू परिवार को प्राप्त हुआ । वस्त्र भेंट शांतिलाल जी जैन नन्दपुरी जयपुर परिवार ने किए । इसके साथ ही सभी श्रद्धालुओं ने भी गुरु माँ के कर कमलों में शास्त्र व वस्त्र भेंट किये। माताजी के कर कमलों में संयम का उपकरण पिच्छी भेंट करने का सौभाग्य जितेंद्र जैन मालवीय नगर वालों को एवं कमंडल भेंट करने का सौभाग्य राजेन्द्र जैन बिलाला सपरिवार ने प्राप्त किया । अष्ट द्रव्य से गुरु माँ की पूजन का सौभाग्य सभी महिलाओं ने प्राप्त किया। समारोह के

संयोजक महावीर प्रसाद पराणा ने बताया कि इस अवसर पर चातुर्मास समिति का भी गठन किया गया। जिनमें अध्यक्ष सन्मति चँवरिया को बनाया गया इस दौरान निवाई एवं अन्य सदस्यों ने भी शपथ ग्रहण किया। ततपश्चात पूज्य माताजी ने धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम अपना जन्मदिन या सालगिरह तो हर वर्ष बड़े धूमधाम से मनाते हैं । पर सन्तों या भगवन्तों का जन्मदिवस इसलिए मनाया जाता है ताकि श्रावक को पुण्य का अर्जन हो। आज इस सुअवसर पर सभी अपनी एक बुराई का त्याग करें। जिस प्रकार हम अपने जन्मदिन पर तोहफा देते हैं वैसे ही वीतराग प्रभु के सामने अपनी एक बुराई का तोहफा प्रदान करें। हम सभी अण्डे, मांस, शराब, बीडी, गुटखा आदि नशीले पदार्थों का आजीवन त्याग करें । जिससे हम भी सुरक्षित और देश की भी वृद्धि । साथ ही जितने पशुओं को इन सबके कारण मारा - काटा जाता है उस पर रोक लगाई जा सकें । हमें आपसे और कुछ नहीं चाहिये । सभा में उपस्थित सभी श्रावकों ने माताजी की बात को समझकर इस बुराई का त्याग कर नियम लिया कि इस बात को जन जन तक पहुंचायेंगे जिससे देश में पशुओं पर हो रहे अत्याचारों को रोका जा सके। सायंकाल भक्तों ने 48 दीपकों के साथ भक्तामर महार्चना कर 530 दीपकों से गुरु माँ की संगीत व भक्तिमय आरती की।

जैन मिलन सेंट्रल का आयोजन

श्रेष्ठिजनों को सेवा श्री तथा मेधावी विधार्थियो का समारोह संपन्न

अशोकनगर. शाबाश इंडिया

समाज सेवा मे अग्रणी संस्था जैन मिलन सेन्ट्रल द्वारा समाज के श्रेष्ठिजनों को सेवा श्री सम्मान प्रदान करने एवं मेधावी विधार्थियो को सम्मानित करने के गौशाला में रविवार को समारोह आयोजित किया गया।समारोह गौरव के रूप में भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय जैन एवं मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष इंजी. पी.के.जैन गुना थे। समारोह मे जैन समाज अध्यक्ष राकेश कांसल, महामंत्री राकेश अमरोद, तत्काल पूर्व अध्यक्ष रमेश चौधरी गौशाला अध्यक्ष दिनेश महिदपुर, भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुभाष जैन कैंची, संयुक्त मंत्री महेंद्र कडेसरा,आनंद गांधी एवं नरेश जैन,क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष अनिल बाँझल एवं कोषाध्यक्ष प्रमोद चौधरी मंचासीन थे। दीप प्रज्ज्वलन एवं महावीर प्रार्थना के पश्चात अतिथियों को तिलक लगाकर सम्मान पट्टिका भेंट की गई। मेधावी विधार्थियो को अतिथियों के कर कमलों से सम्मान पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित कराया गया। समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिये वरिष्ठ समाजसेवी श्रेष्ठिजनों को शॉल श्री फल एवं सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।मूक पशुओं की सेवा के लिये सोनू जैन एवं सेवाभावी पशु चिकित्सों को सम्मानित किया गया।अपने सम्बोधन में समारोह गौरव विजय जैन ने कहा कि आज जैन मिलन सेंट्रल ने भविष्य को सुरक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए विद्यार्थियों एवं आशीर्वाद एवं संरक्षण प्रदान करते रहने के लिए वरिष्ठ जनों को सम्मानित कर बहुत अच्छा कार्य किया है।आज मुझे बहुत खुशी है।विमर्श जागृति मंच की ओर से राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष सुभाष जैन कैंची एवं उनके साथियों ने विजय जैन को उनके जन्मदिन पर शॉल एवं गुरुदेव द्वारा रचित शास्त्र भेंट सम्मानित किया।जैन मिलन सेंट्रल के वीर बन्धुओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का जन्मदिन मधुरम काटकर मनाया एवं पौधरोपण किया। समारोह का सफल संचालन राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री वीर महेंद्र कडेसरा ने किया स्वागत भाषण शाखा अध्यक्ष वीर वीरेंद्र अथाई खेड़ा ने दिया। आभार अतिवीर सुनील जैन बेलई द्वारा प्रगट किया गया । कार्यक्रम में भारी संख्या में वीरबंधु-वीरांगनायें शामिल हुए और अंत में माधुर्य भोज के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वेद ज्ञान

जीवन के आयाम

मानव का समस्त ज्ञान अनुभव से उत्पन्न होता है। अनुभव के अतिरिक्त किसी अन्य प्रकार से हम कुछ भी नहीं जान सकते। यही वजह है कि आम जीवन में भी व्यक्ति के अनुभव को वरीयता दी जाती है। विज्ञान भी मानता है कि जगत में किसी भी पदार्थ का नाश नहीं होता। इस प्रकार अभिव्यक्तियों की एक ही शृंखला चक्र की भांति बार-बार हमारे समक्ष उपस्थित होती रहती है। विविध ब्रह्मांड सूक्ष्मगत रूपों में प्रस्तुत हो रहे हैं। स्थूल रूप धारण कर रहे हैं, फिर लीन होकर सूक्ष्म भाव में जा रहे हैं। वे फिर से इस सूक्ष्म भाव से स्थूल भाव में आते हैं। कुछ समय तक उसी अवस्था में रहते हैं और फिर धीरे-धीरे पूर्व स्थिति में चले जाते हैं। जीवन के संबंध में भी यही सत्य है। दरअसल मन के साथ मस्तिष्क का विशेष संबंध है और शरीर का विनाश हो जाने पर वह नष्ट हो जाता है। आत्मा ही एकमात्र प्रकाशक है। इसलिए उसके हाथ यंत्र के समान हैं और इस यंत्र के माध्यम से आत्मा बाह्य साधन पर अधिकार जमा लेती है। इसी प्रकार प्रत्यक्ष बोध होता है। मस्तिष्क के इन सब केंद्रों को इंद्रियां कहते हैं। ये इंद्रियां इन यंत्रों को लेकर मन को अर्पित कर देती हैं। इसके बाद मन इन्हें बुद्धि के निकट लाता है फिर बुद्धि इन्हें अपने सिंहासन पर विराजमान महिमाशाली आत्मा को प्रदान करती है। आखिर में आत्मा इन्हें देखती है और फिर आवश्यक आदेश देती है। तत्पश्चात मन इन मस्तिष्क केंद्रों यानी इंद्रियों पर कार्य करता है और फिर इंद्रियां स्थूल शरीर पर कार्य करना आरंभ कर देती हैं। मनुष्य की आत्मा ही इन सबकी वास्तविक अनुभवकर्ता, सृष्टा और सब कुछ है। अब सवाल यह उठता है मृत्यु क्या है? दरअसल अभिव्यक्ति के एक रूप विशेष को हम जीवन कहते हैं और उसी के दूसरे रूप विशेष को मृत्यु। सभी यौगिक पदार्थ नियमों से संचालित होते हैं। नियम के परे यदि कोई वस्तु हो तो वह कदापि यौगिक नहीं हो सकती। चूंकि मनुष्य की आत्मा कार्य, कारण और वाद से परे है, इसलिए वह यौगिक नहीं है। यह सदा मुक्त है और नियमों के अंतर्गत सभी वस्तुओं का नियमन करती है। उसका कभी विनाश नहीं हो सकता। ऐसा इसलिए, क्योंकि विनाश का अर्थ है किसी यौगिक पदार्थ का अपने उपादानों में परिणत हो जाना। जीवन की समस्या की वास्तविक मीमांसा यही है।

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर के मुश्किल हालात...

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद की समस्या बेहद जटिल हो चुकी है, तो इसका एक बड़ा कारण आतंकी संगठनों को कभी-कभार मिलने वाली स्थानीय मदद भी है। अगर आतंकवाद से लड़ने वाले तंत्र में ही कुछ लोग ऐसे हों, जो परोक्ष रूप से आतंकियों के मददगार हों, तो अंदाजा लगाया जा सकता है कि कैसे हालात पैदा हो सकते हैं। शनिवार को जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने जिस तरह नार्को-आतंकवाद से कथित संबंधों के आरोप में पांच पुलिसकर्मियों सहित छह कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया, उससे रेखांकित होता है कि वहां आतंकवाद की समस्या अपने किस जटिल स्वरूप में मौजूद है। सरकार की ओर से कराई गई जांच में सामने आया कि जिन लोगों को सेवा से बर्खास्त किया गया है, वे पाकिस्तानी जासूसी एजंसी (आइएसआइ) और सीमा पार पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी समूहों द्वारा संचालित नार्को-आतंकवाद का हिस्सा थे। सरकारी कार्रवाई की जद में आए पुलिसकर्मी और कर्मचारी मादक पदार्थों की बिक्री के जरिए आतंकवाद के वित्तपोषण में लिप्त पाए गए। दरअसल, कुछ मादक पदार्थों की खेती भारतीय क्षेत्र में नहीं की जाती, पर पिछले कुछ समय से जम्मू-कश्मीर के आतंकवाद में इनका इस्तेमाल हथियार के तौर पर हो रहा है। भारत में इसकी तस्करी और खपत कई आतंकी नेटवर्कों के

जरिए पाकिस्तान से होती है। आतंकी संगठन आमतौर पर युवाओं को अपने प्रभाव में लेते और मादक पदार्थों के जरिए उन्हें आतंकी जाल का हिस्सा बनाते हैं। ऐसे में स्थानीय समुदायों के बीच आतंकवादियों की घुसपैठ की समस्या में अगर खुद पुलिस महकमे के कोई अधिकारी या कर्मी हिस्सेदारी करने लगें तो इस समस्या की जटिलता का अंदाजा लगाया जा सकता है। शायद यही वजह है कि कई बार आतंकवादी संगठन घाटी में अपना जाल फैलाने और अक्सर हमले करने में कामयाब हो जाते हैं। जो तंत्र आतंकवाद मिटाने में लगा है, अगर उसके आंतरिक ढांचे में ही आतंकी संगठनों की घुसपैठ हो जाए, तो मुश्किलें बढ़ेंगी ही। इसलिए सरकार को अपने समूचे तंत्र में हर स्तर पर ऐसे तत्त्वों की पहचान करने की जरूरत है, जो किसी भी रूप में आतंकवादी संगठनों के लिए मददगार हो सकते हैं।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

लोक अदालतों की भूमिका

भारत के प्रधानमंत्री जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने दोटूक कहा है कि लोग अदालतों से ह्यइतने तंग आ गए हैं कि वे बस समझौता चाहते हैं। वे कहते हैं कि वस, अदालत से दूर करा दीजिए। जस्टिस चंद्रचूड़ विशेष लोक अदालत सप्ताह के दौरान शनिवार को एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। वैकल्पिक विवाद निवारण तंत्र के रूप में लोक अदालतों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि लोगों में इस प्रकार की भावना उपरना बतौर जज हम लोगों के लिए गहन चिंता का विषय है। बेशक, लोगों का अदालती मामलों से त्रस्त होकर छुटकारा पाने उत्कट इच्छा न्याय व्यवस्था के लिए कोई अच्छी बात नहीं है। इससे संदेश यह निकलता है कि व्यवस्था लोगों की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। और इसलिए उन्हें मजबूरी में मामलों में समझौता करने की राह चुनना बेहतर लगता है। समझौता कोई न्याय नहीं है, बल्कि मजबूरी में किया गया उपाय है, जो समाज में पहले से मौजूद असमानताओं को ही दशार्ता है। जैसा कि प्रधान न्यायाधीश ने भी हंगित किया है कि यह स्थिति अपने आप में सजा है। लोक अदालत की अवधारणा इस स्थिति से निजात दिलाती हैं जहां आपसी समझते और सहमति से मामलों को सुलटाया जाता है और कोई भी अपने आप को मजबूर या न्याय से वंचित हुआ नहीं पाता। लोक अदालत से मामले का निस्तारण होने पर फैसले के खिलाफ अपील नहीं की जा सकती। सबसे अच्छी बात यह है कि फैसला परस्पर सहमति के आधार पर किया जाता है। कहना न होगा कि तमाम मामले ऐसे होते हैं, जिन्हें आपसी सहमति से सुलझाया सकता है। सबसे बड़ा तो यह कि लोक अदालत के माध्यम से न्याय दिया जाना अदालतों पर मुकदमों के भार को कम करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण उपक्रम है। यहां फैसला किसी भी रूप में थोपा हुआ करार नहीं दिया जा सकता। इसलिए

जरूरी है कि लोक अदालत की अवधारणा को संस्था के रूप मजबूत किया जाए। न्याय की पहुंच आम नागरिकों तक सुनिश्चित करने की बात हमारे संविधान में निहित है, लेकिन नौबत यह है कि आम जन न्याय पाने की बजाय हलकान ज्यादा हो जाता है। यह स्थिति लोकतांत्रिक समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकती। जिस समाज में आम जन को न्याय पाने में हलकान होना पड़ जाए उसे किसी भी सूरत में अभीष्ट या आदर्श समाज नहीं कहा जा सकता। लोक अदालत सार्थक है क्योंकि इनका उद्देश्य ही लोगों के घरों तक न्याय पहुंचाना है।

लायन अनिल धारीवाल सेवा तीर्थ लायंस नेत्र चिकित्सालय चेयरमेन मनोनीत

जयपुर. शाबाश इंडिया। लायंस क्लब जावरा व लायंस पब्लिक चेरिटेबल ट्रस्ट जावरा अध्यक्ष ला. डॉ. शैलेन्द्र पाण्डेय द्वारा लायंस पब्लिक

चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित लायंस नेत्र चिकित्सालय जावरा के सत्र 2024-25 हेतु चेयरमैन के रूप में लायंस क्लब जावरा के पूर्वाध्यक्ष, नेत्र चिकित्सालय के पूर्व चेयरमेन व लायंस प्रांतीय केबिनेट में GMT कोर्डिनेटर व जैन सोश्यल ग्रुप्स इंटरनेशनल फेडरेशन लीडर ला.अनिल धारीवाल को सेवा तीर्थ लायंस नेत्र चिकित्सालय चेयरमेन मनोनीत किया है। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी मध्यप्रदेश के सबसे बड़े नेत्र सेवा केंद्र के रूप में स्थित लायंस नेत्र चिकित्सालय जावरा को लायंस इंटरनेशनल तक सेवा तीर्थ के रूप में पहचाना जाता है, अनिल धारीवाल के लायंस अध्यक्षीय कार्यकाल 2017-18 में लायंस नेत्र चिकित्सालय जावरा द्वारा पहली बार 3100 नेत्र ऑपरेशन के आंकड़े को छूते हुए 3216 नेत्र ऑपरेशन करवाए व नेत्र चिकित्सालय चेयरमेन कार्यकाल 2021-22 में 6182 नेत्र ऑपरेशन करवाए जो की सर्वश्रेष्ठ रिकार्ड है। सेवा व मैत्री के लिए सदैव संकल्पित अनिल धारीवाल को हार्दिक बधाई।

जैन मिलन महिला चंदना ने किया स्टेशनरी वितरण

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

भिंड। शहर की सामाजिक संस्था जैन मिलन महिला चंदना भिंड ने स्कूल चलो अभियान के तहत कीर्ति स्तंभ मन्दिर के पीछे झुग्गी बस्ती में संचालित मानवता की पाठशाला में बच्चों को स्टेशनरी एवं पाठशाला के लिए व्हाइट बोर्ड, कलेंडर आदि सामान भेंट किया इस अवसर पर मानवता परिवार ने शाखा का आभार व्यक्त करते हुए कहा इस पाठशाला में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे गरीब परिवारों से आते हैं जिनके माता-पिता बच्चों को बुक्स कॉपी स्टेशनरी आदि सामग्री उपलब्ध कराने में असमर्थ होते हैं जैन मिलन महिला चंदना ने आजे बच्चों को स्टेशनरी सामग्री वितरित करके बहुत ही सराहनीय और नेक कार्य किया है इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष नीतू जैन पहाड़िया ने कहा हमारी शाखा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे शिक्षा का उत्तराधिकार प्राप्त करें ताकि समृद्धिशील समाज की दिशा में कदम बढ़ा सकें एवं धन अभाव या पाठ्य सामग्री अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। मानवता की पाठशाला जैसे पहल के माध्यम से यह संदेश पहुंचाना महत्वपूर्ण है कि शिक्षा हर किसी के लिए सुलभ होनी चाहिए। इस अवसर पर सुनीता जैन, अल्का जैन, नीतू जैन, पूजा जैन, अंजू जैन, बबलू सिन्धी , सीमा श्रीवास्तव, सोनल जैन, सामली जैन, प्राशु जैन, रेशु जैन विशेष रूप से मौजूद रहे।

कमला नगर जैन मंदिर पर आयोजित हुई संगोष्ठी

मिला मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री ससंघ का मंगल सानिध्य

आगरा. शाबाश इंडिया

आगरा के कमला नगर स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन मंदिर में पावन वर्षायोग के लिए पधारे मेडिटेशन गुरु उपाध्यायश्री विहसन्त सागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में 5 अगस्त को आगरा नगर के समस्त दिगम्बर जैन मन्दिरों वं संस्थाओं के पदाधिकारीयों की संगोष्ठी अर्पितमय पावन वर्षायोग समिति एवं ग्रेटर कमलानगर के तत्वावधान में मन्दिर सुरक्षित, समाज व्यवस्थित विषय पर आचार्य श्री विद्यासागर संत निलय पर आयोजित की

गई। संगोष्ठी का शुभारंभ स्वस्ति बहु मन्डल की महिलाओं ने मंगलाचरण के साथ किया। इसके बाद में उपाध्यायश्री ने संगोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि सुरक्षा की द्रष्टी से हर मन्दिर समस्त प्रतिमाओं उन पर लिखी प्रश्स्ती मन्दिर का इतिहास मन्दिर के प्रोपर्टी के दस्तावेज आदि का अच्छी प्रकार से रिकोर्ड एवं फोटो एलबम बनावें व मन्दिर के स्ट्रॉन्ग रूम मे सभी दस्तावेज रखें व एक एक कॉपी पदाधिकारी रखें सौ वर्ष से प्राचीन प्रतिमा या शास्त्र होंवे तो पुरातत्व विभाग मे भी अवश्य रिकोर्ड करावें मन्दिरो में सी सी टीवी कैमरे अवश्य लगावें व स्थानीय पुलिस प्रशासन से मिलते रहें,मन्दिरों को सोसाइटी एक्ट अथवा ट्रस्ट मे रजिस्टर कराकर कानूनी रूप से इन्कम टैक्स विभाग में भी पंजीकृत करावें एवं समय के अनुसार रिटर्न भरें और उन्होने आगे कहा कि मन्दिर में दान एफ डी बडाने के लिए न लेवें जो दान आवे उसे मन्दिर के विकास में खर्च करें अथवा कोई चैरिटेबल कार्य करें मन्दिर मे उपलब्ध, पूजा सेट,धोती दुपट्टे,चौकी मेज,चटाई की इनवैन्टरी बनाए व नगर मे किसी भी मन्दिर मे कोई आयोजन हो तो उक्त सामान को एक दूसरे को दें। उन्होंने हर शहर मे सभी मन्दिर मिलकर एक सैन्ट्लाइज्ड फन्ड बनाने का आव्हान करते हुए कहा कि जब कभी कोई नये मन्दिर बनने अथवा रिपेअर की बात हो तो इस फन्ड का इस्तेमाल करें। उन्होने मन्दिर मैनेजमैन्टो को कहा कि अगर समय न हो तो पद छोडें और दूसरे योग्य को आने दें उन्होने कहा कि समाज मे अगर किसी कारण पुरुषों पर समय नहीं तो महिलाओं को कमेटी मे आगे आने दें। संगोष्ठी का संचालन मनोज जैन बाकलीवाल द्वारा किया गया। वर्षायोग समिति के मुख्य संयोजक मनोज जैन बाकलीवाल ने बताया कि 18 अगस्त को विशाल युवा सम्मेलन और 25 अगस्त को विशाल महिला सम्मेलन का भव्य आयोजन उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सानिध्य में होगा। इस अवसर पर राजेन्द्र जैन एडवोकेट, कमल जैन एडवोकेट,विजय बैनाडा,अमित बौबी, निर्मल मोठ्या, जगदीशप्रसाद जैन, रोहित जैन अंहिसा,पारसबाबू जैन, प्रवीन जैन पार्षद,अनन्त जैन,शैलेन्द्र जैन,अनिल जैन,नरेश जैन,यशपाल जैन,अंकेश जैन,राजेश जैन,सुभाष जैन,अभिषेक जैन,अशोक जैन, मीडिया प्रभारी शुभम जैन,समस्त आगरा के लगभग 65 मन्दिरों के मैनेजमैन्ट पधारे जिसमे ताजगंज, सिकन्दरा,नुनिहाई,कटरा वजीर खां,नाई की मन्डी, पत्लगली, बेलनगंज, सेक्टर 7,सेक्टर 4,मारूति एस्टेट, अवधपुरी, छीपीटोला,ओल्ड ईदगाह, नॉर्थ ईदगाह,सदर,राहुल विहार,बगदा मोतीकटरा,तार की गली, कर्मयोगी, गंगेगौरी ट्रान्सयमुना कॉलोनी कालिन्दी विहार, सरलाबाग,शालीमार एनक्लेव कमलानगर आदि प्रमुख रूप से लोग मौजूद रहे। रिपोर्ट मुख्य संयोजक मनोज बाकलीवाल, मीडिया प्रभारी शुभम जैन कासलीवाल।

वाणी जैन चेस प्लेयर को किया सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दुर्गापुरा स्थित दिगंबर जैन मंदिर परिसर में चल रही मैत्री ग्रुप की तीन दिवसीय प्रदर्शनी मे दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका , राष्ट्रीय महासचिव विपुल बांझल , राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला , मैत्री ट्रेड फेयर के मुख्य संयोजक आलोक जैन ने वाणी जैन चेस प्लेयर को समाज का नाम रोशन करने के लिए तिलक, माला, केशरिया दुपट्टा ओढा कर सम्मानित किया। मौजूद जैन सोशल ग्रुप मैत्री परिवार की कार्यकारिणी, श्री दिगंबर जैन मंदिर की कमेटी, समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति सुनील जैन गंगवाल,आशिष जैन, प्रदीप जैन, विमल जैन एवं अन्य गणमान्य लोगों ने भी वाणी जैन चेस प्लेयर को आशीर्वाद दिया एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। हॉल ही वाणी जैन ने ऐ सी सी ओपन चेस टूर्नामेंट पोद्दार कॉलेज मानसरोवर जयपुर सी पी ए कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया था एवं एम जी एस एस चेस टूर्नामेंट महिला केटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया था।इसके अलावा भी वाणी ने बहुत से टूर्नामेंटों मे भाग लेकर कहीं रिकॉर्ड अपने नाम कर अपना और अपने समाज का नाम रोशन किया है । वाणी जैन खाली समय में अपने सहपाठियों को भी चेस खेलना सिखातीं है।वाणी जैन ने मैत्री परिवार को बहुत-बहुत धन्यवाद दिया और मौजूद सभी अभिभावको से निवेदन किया कि अपने बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलो में भी आगे लाये। जैन समाज के बच्चे पढ़ाई में तो बहुत अव्वल है लेकिन खेलों में अभी भी बहुत पीछे है। साथ ही पदाधिकारीयो से भी निवेदन किया कि समाज के बच्चों के लिए कुछ ऐसा प्लेटफॉर्म बनाएं जिससे कि बच्चों को खेलने का और आगे जाकर समाज का नाम रोशन करने का मौका मिले।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के परिवारों ने मनाया हरियाली अमावस महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सदस्य परिवारों ने नसिया जी स्थित जैन मंदिर के प्रांगण में हरियाली महोत्सव का आयोजन किया। कार्यक्रम संयोजक मोनिका जैन ने बताया कि कई प्रकार के गेम्स , डांस एवं मनोरंजन कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम के पश्चात विजेताओं को पुरस्कार वितरण किया गया। कार्यक्रम में विमल कुमार गौधा , के के जैन ,धर्मेन्द्र पाण्डया, प्रवीण गंगवाल, पंकज पाण्डया, मनोज शाह, अभिनव, हार्दिक विद्या देवी, मोनिका जैन, निशा जैन, प्रीति , शालिनी , स्वीटी , मधु , दीप्ति, रुचि, नीरा,अंजू, रेशु, पीहू, एरा जैन एवं दर्जनों महिला पुरुष उपस्थित थे।

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी लश्कर श्री नेमिनाथ स्वामी
बोरड़ी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर
एवं
श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नसियाँ श्योजी गोधा
आमेर रोड़, जयपुर

1008 श्री नेमीनाथ भगवान
मंदिर जी, लश्कर मंदिर

1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान
नसियाँ श्योजी गोधा, आमेर रोड

श्री 1008 श्री नेमिनाथ भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक
के शुभ अवसर पर

शोभायात्रा

एवं

श्री 1008 श्री पार्श्वनाथ भगवान के मोक्ष कल्याणक महापर्व पर

निर्वाण लाडू

श्री दिगम्बर जैन मंदिर जी लश्कर श्री नेमिनाथ स्वामी
बोरड़ी का रास्ता, किशनपोल बाजार, जयपुर

शनिवार, 10 अगस्त 2024

भव्य शोभायात्रा

मांगलिक कार्यक्रम

प्रातः 7.00 बजे — शांतिधारा, अभिषेक, श्री नेमिनाथ भगवान की पूजा

प्रातः 8.00 बजे — श्री 1008 नेमिनाथ स्वामी की भव्य शोभायात्रा, मंदिर जी लश्कर, बोरड़ी के रास्ते से प्रस्थान कर मनिहारों का रास्ता, पं. शिवदीन जी का रास्ता, आचार्यों का रास्ता व वापस मंदिरजी लश्कर बोरड़ी के रास्ते में प्रवेश करेगी

प्रातः 9.30 बजे — श्री 1008 नेमिनाथ स्वामी अभिषेक

प्रातः 10.30 बजे — सामूहिक भोजन

श्री दिगम्बर जैन मंदिर पार्श्वनाथ नसियाँ श्योजी गोधा
आमेर रोड़, जयपुर

रविवार, 11 अगस्त 2024

मांगलिक कार्यक्रम

श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान का

मोक्ष सप्तमी निर्वाण लाडू

प्रातः 8.00 बजे

अतः आपसे निवेदन है कि उक्त महोत्सव के सभी कार्यक्रमों में सम्मिलित होकर धर्मलाभ उठावे।

आयोजक

अध्यक्ष	कार्याध्यक्ष	उपाध्यक्ष	मंत्री	उपमंत्री
भागचन्द साह 'अत्तार'	Er. रमेश साह	जिनेन्द्र कुमार चाँदवाड़	प्रदीप साह	शैलेन्द्र कुमार साह (चीकू)
9214863000	9414241007	7665020206	9829015088	9414238656

कोषाध्यक्ष	उप कोषाध्यक्ष	शास्त्र भण्डार रक्षक	प्रचार-प्रसार मंत्री
डॉ. सुशील कुमार कासलीवाल	युति प्रकाश जैन (पाटनी)	अजय गोधा	संदीप साह
9414461105	9351785234	9314504291	9829050791

सदस्य गण :- कमल काला 9829056547, Er. अशोक कुमार जैन 8696934093, अजय साह 9314643738, राजेन्द्र कुमार साह 9414043359, महावीर प्रसाद साह 9828020597, प्रवीण साह 9799134175

विनीत : प्रबंधकारिणी समिति श्री दिगम्बर जैन मंदिर लश्कर तथा नसियाँ श्योजी गोधा, जयपुर
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, बोरड़ी का रास्ता एवं आमेर रोड़, जयपुर

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) मो. 9829050791

।। श्री नेमिनाथाय नमः ।।

मूलनायक श्री 1008 नेमिनाथ भगवान

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र छोटा गिरनारजी

तपोभूमि एवं छोटा गिरनार तीर्थ प्रणेता प.पू. आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागरजी मुनिराज की प्रेरणा से

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

1008 श्री नेमिनाथ भगवान का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव

सावन शुक्ला षठमी, शनिवार, 10 अगस्त 2024

मंगल आशीर्वाद

तपोभूमि प्रणेता प.पू. आचार्य श्री 108 प्रज्ञा सागर जी मुनिराज

शनिवार 10 अगस्त से रविवार 11 अगस्त 2024

बस रवानगी - 10 अगस्त 2024 को प्रातः 6.30 बजे दुर्गापुरा से

रात्रि विश्राम - अतिशय क्षेत्र चांदखेड़ी

वापसी - 11 अगस्त 2024 को रात्रि 10.00 बजे दुर्गापुरा में

सहयोग राशि - रु. 1100/- प्रति यात्री

बुकिंग हेतु अन्तिम तिथि - बुधवार, 7 अगस्त 2024

बुकिंग हेतु 7 अगस्त तक टोकन मनी रु. 500/- प्रति यात्री अवश्य जमा करवायें।

बसें प्रातः 6.30 बजे दुर्गापुरा जैन मन्दिर में मुनि श्री 108 पावनसागर जी एंव मुनिश्री 108 सुभद्रसागर जी मुनिराज के दर्शन करके रवाना होंगे, छोटा गिरनारजी बापूगाँव में

अभिषेक, शान्तिधारा व पूजन

पश्चात् निवाई में मुनिश्री 108 अनुसरणसागर जी मुनिराज, जैन नसियाँ टोंक में मुनि श्री 108 निपुणंनंदी जी मुनिराज, कोटा में मुनि श्री 108 आदित्य सागर जी मुनिराज, चांदखेड़ी, झालरापाटन में आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी मुनिराज जहाजपुर में गणिनी आर्यिका श्री 105 स्वस्तिभूषण माता जी, मालपुराम में आर्यिका श्री 105 विष्णुप्रभा माताजी ससंघ के दर्शन करते हुए 11 अगस्त को रात्रि में 10 बजे दुर्गापुरा पहुँचेंगे।

टिकिट प्राप्ति स्थलः

विमल कुमार गंगवाल, दुर्गापुरा **88904 29428**

प. विनोद कुमार शास्त्री, मानसरोवर **98280 76193**

नरेश बाकलीवाल, दुर्गापुरा **98296 81717**

टिकिट प्राप्ति स्थलः

पारस मल बाकलीवाल, नन्द कॉलोनी **99287 47402**

रमेश चन्द गंगवाल, निमोड़िया **99293 43728**

केवल चन्द गंगवाल, चित्रकुट कॉलोनी **93526 69300**

नाश्ता व दोनों समय के भोजन की व्यवस्था है।

संयोजक

श्री नेमिनाथ यात्रा संघ

दुर्गापुरा जयपुर

नोटः- (1) कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के फेरबदल का अधिकार संयोजक को रहेगा (2) टोकन मनी जमा करवाने के बाद ही सीट बुक मानी जाएगी, अन्यथा सीट बुक नहीं मानी जाएगी (3) सीट पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दी जायेगी (4) अपने साथ पानी की बोतल अवश्य लेवे (5) कृपया समय का विशेष ध्यान रखें।

सावन में खुशियों के बीज, बोने आती हरियाली तीज

प्रियंका सौरभ

हरियाली तीज का उत्सव श्रावण मास में शुक्ल पक्ष तृतीया को मनाया जाता है। मुख्यतः यह स्त्रियों का त्योहार है। इस समय जब प्रकृति चारों तरफ हरियाली की चादर सी बिछा देती है तो प्रकृति की इस छटा को देखकर मन पुलकित होकर नाच उठता है। जगह-जगह झूले पड़ते हैं। स्त्रियों के समूह गीत गा-गाकर झूला झूलते हैं। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को श्रावणी तीज कहते हैं। इसे हरितालिका तीज भी कहते हैं। जनमानस में यह हरियाली तीज के नाम से जानी जाती है। श्रावण के महिने में चारों ओर हरियाली की चादर सी बिखर जाती है। जिसे देख कर सबका मन झूम उठता है। सावन का महिना एक अलग ही मस्ती और उमंग लेकर आता है। श्रावण के सुहावने मौसम के मध्य में आता है तीज का त्यौहार। स्त्रियां अपने हाथों पर त्योहार विशेष को ध्यान में रखते हुए भिन्न-भिन्न प्रकार की मेहंदी लगाती हैं। मेहंदी रचे हाथों से जब वह झूले की रस्सी पकड़ कर झूला झूलती हैं तो यह दृश्य बड़ा ही मनोहारी लगता है, मानो सुहागिन आकाश को छूने चली हैं। इस दिन सुहागिन स्त्रियां सुहागी पकडकर सास के पांव छूकर उन्हें देती हैं। यदि सास न हो तो स्वयं से बड़ों को अर्थात जेठानी या किसी वृद्धा को देती हैं।

इस दिन कहीं-कहीं स्त्रियां पैरों में आलता भी लगाती हैं जो सुहाग का चिह्न माना जाता है। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेले लगते हैं और माता पार्वती की सवारी बड़े धूमधाम से निकाली जाती है। वास्तव में देखा जाए तो हरियाली तीज कोई धार्मिक त्योहार नहीं वरन महिलाओं के लिए एकत्र होने का एक उत्सव है। नवविवाहित लड़कियों के लिए विवाह के पश्चात पड़ने वाले पहले सावन के त्योहार का विशेष महत्त्व होता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए इस व्रत का पालन किया था। परिणामस्वरूप भगवान शिव ने उनके तप से प्रसन्न होकर उन्हें पत्नी रूप में स्वीकार किया था। माना जाता है कि श्रावण शुक्ल तृतीया के दिन माता पार्वती ने सौ वर्षों के तप उपरान्त भगवान शिव को पति रूप में पाया था। इसी मान्यता के अनुसार स्त्रियां माता पार्वती का पूजन करती हैं। तीज पर मेहंदी लगाने, चूडियां पहनने, झूला झूलने तथा लोक गीतों को गाने का विशेष महत्व है। तीज के त्यौहार वाले दिन खुले स्थानों पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर, घर की छत पर या बरामदे में झूले लगाए जाते हैं जिन पर स्त्रियां झूला झूलती हैं। हरियाली तीज के दिन अनेक स्थानों पर मेलों का भी आयोजन होता है। हाथों में रची मेंहदी की तरह ही प्रकृति पर भी हरियाली की चादर सी बिछ जाती है। इस नयनाभिराम सौंदर्य को देखकर मन में स्वतः ही मधुर झनकार सी बजने लगती है और हृदय पुलकित होकर नाच उठता है। इस समय वर्षा ऋतु की बौछारें प्रकृति को पूर्ण रूप से भिगो देती हैं। सावन की तीज में महिलाएं व्रत रखती हैं। इस व्रत को अविवाहित कन्याएं योग्य वर को पाने के लिए करती हैं तथा विवाहित महिलाएं अपने सुखी दांपत्य की चाहत के लिए करती हैं। तीज का आगमन भीषण ग्रीष्म ऋतु के बाद पुनर्जीवन व पुनर्शक्ति के रूप में होता है। यदि इस दिन वर्षा हो तो यह और भी स्मरणीय हो उठती है। लोग तीज जुलूस में ठंडी बौछार की कामना करते हैं। ग्रीष्म ऋतु के समाप्त होने पर काले कजरारे मेघों को आकाश में घुमड़ता देखकर पावस के प्रारम्भ में पपीहे की पुकार और वर्षा की फुहार से आभ्यंतर आनन्दित हो उठता है। ऐसे में भारतीय लोक जीवन कजली या हरियाली तीज का पर्वोत्सव मनाता है। आसमान में घुमड़ती काली घटाओं के कारण ही इस त्योहार या पर्व को कजली या कज्जली तीज तथा पूरी प्रकृति में हरियाली के कारण तीज के नाम से जाना जाता है। इस त्योहार पर लड़कियों को ससुराल से पीहर बुला लिया जाता है। विवाह के पश्चात पहला सावन आने पर लडकी को ससुराल में नहीं छोड़ा जाता है। नवविवाहिता लडकी की ससुराल से इस त्योहार पर सिंजारा भेजा जाता है। हरियाली तीज से एक दिन पहले सिंजारा मनाया जाता है। इस दिन नवविवाहिता लडकी की ससुराल से वस्त्र, आभूषण, श्रृंगार का सामान, मेहंदी और मिठाई भेजी जाती है। इस दिन मेहंदी लगाने का विशेष महत्त्व है। स्त्रियां आकर्षक परिधानों से सुसज्जित हो भगवती पार्वती की उपासना करती हैं। राजस्थान में जिन कन्याओं की सगाई हो गई होती है, उन्हें अपने भविष्य के सास-ससुर से एक दिन पहले ही भेंट मिलती है। इस भेंट को स्थानीय भाषा में शिंझार (श्रृंगार) कहते हैं। शिंझार में अनेक वस्तुएं होती हैं, जैसे मेहंदी, लाख की चूडिय़ां, लहरिया नामक विशेष वेश-भूषा, जिसे बांधकर रंगा जाता है तथा एक मिष्ठान जिसे घेवर कहते हैं। इसमें अनेक भेंट वस्तुएं होती हैं, जिसमें वस्त्र व मिष्ठान होते हैं। इसे मां अपनी विवाहित पुत्री को भेजती है। पूजा के बाद ह्यबयाह्न को सास को सुपुर्द कर दिया जाता है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी यदि कन्या ससुराल में है तो मायके से तथा यदि मायके में है तो ससुराल से मिष्ठान, कपड़े आदि भेजने की परम्परा है। इसे स्थानीय भाषा में तीज की भेंट कहा जाता है। राजस्थान हो या पूर्वी उत्तर प्रदेश, प्रायः नवविवाहिता युवतियों को सावन में ससुराल से मायके बुला लेने की परम्परा है। सभी विवाहिताएं इस दिन विशेष रूप से श्रृंगार करती हैं। सायंकाल बन ठनकर सरोवर के किनारे उत्सव मनाती हैं और उद्यानों में झूला झूलते हुए कजली के गीत गाती हैं। इस अवसर पर नवयुवतियां हाथों में मेहंदी रचाती हैं। तीज के गीत हाथों में मेहंदी लगाते हुए गाये जाते हैं। समूचा वातावरण श्रृंगार से अभिभूत हो उठता है। इस त्योहार की सबसे बड़ी विशेषता है, महिलाओं का हाथों पर विभिन्न प्रकार से बेलबूटे बनाकर मेहंदी रचाना। पैरों में आलता लगाना, महिलाओं के सुहाग की निशानी है। हाथों व पांवों में भी विवाहिताएं मेहंदी रचाती हैं जिसे ह्यमेहंदी मांडनाह्न कहते हैं। इस दिन बालाएं दूर देश गए अपने पति के तीज पर आने की कामना करती हैं जो कि उनके लोकगीतों में भी मुखरित होता है। तीज के दिन का विशेष कार्य होता है, खुले स्थान पर बड़े-बड़े वृक्षों की शाखाओं पर झूला बांधना। झूला स्त्रियों के लिए बहुत ही मनभावन अनुभव है। मल्हार गाते हुए मेहंदी रचे हुए हाथों से रस्सी पकड़े झूलना एक अनूठा अनुभव ही तो है। सावन में तीज पर झूले न लगें, तो सावन क्या? तीज के कुछ दिन पूर्व से ही पेड़ों की डालियों पर, घर की छत की कड़ों या बरामदे में कड़ों में झूले पड़ जाते हैं और नारियां, सखी-सहेलियों के संग सज-संवरकर लोकगीत, कजरी आदि गाते हुए झूला झूलती हैं। पूरा वातावरण ही उनके गीतों के मधुर लयबद्ध सुरों से रसमय, गीतमय और संगीतमय हो उठता है।

प्रियंका सौरभ: रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

बहुत देर बाद समझ आता है..
बहुत देर हो जाने का मतलब..?

जब बच्चों को समझाने, सिखाने, बताने और डांटने का वक्त था, तब हमने लाड-प्यार देकर, और यह बोलकर बच्चों की गलतियों को नजरअंदाज कर दिया, कि अभी तो ये बच्चा है। अरे भाई- यह समय 1995 के बाद चला गया। क्योंकि 1995 तक हमारे देश में बच्चे पैदा हो रहे थे, लेकिन 1995 के बाद, अब घरों में बच्चे नहीं बल्कि बच्चों के बाप पैदा हो रहे हैं। आज हर माता पिता अपने बच्चों की अच्छी से अच्छी शिक्षा को लेकर चिंतित, परेशान है। लेकिन कोई भी माता पिता अच्छे संस्कारों के लिए चिन्तित, परेशान नहीं है। आज बच्चे इन्टरनेट और मीडिया के दुरूपयोग, प्रबुद्ध और आदर्श समाज से विमुख होते जा रहे हैं। कोरोना काल में आप सब ने बच्चों की अच्छी शिक्षा के लिए मोबाइल हाथ में थमा दिया, अब बच्चों के हाथ से मोबाइल नहीं छूट पा रहा है। ऐसे कई बच्चे हैं जिन्होंने अपने माता-पिता को छोड़कर मोबाइल को ही अपना अभिभावक और गार्जियन बना लिया है। आज संस्कारों और नैतिक मूल्यों के अभाव के चलते युवक युवतियाँ अपने मार्ग और लक्ष्य से भटक रहे हैं, जो माता पिता के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है क्योंकि जिन माता पिताओं ने, अपने जीवन के तमाम सुख सुविधाओं को छोड़कर, अपने बच्चों को काबिल बनाया और वही बच्चे सफल होने पर अपने माता-पिता का साथ छोड़कर बाहर चले जाते हैं। इसका मूल कारण आधुनिकता की दौड़ में, नैतिकता और संस्कारों के अभाव में ही यह विकृतियां हावी होती चली जा रही है। इन पर ध्यान देना बहुत आवश्यक है अन्यथः ...

नरेंद्र अजमेरा , पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

आचार्य आनंद ऋषि जी ने मानव जीवन को हर क्षण सार्थक और पुरुषार्थ करके महान बनेः युवाचार्य महेंद्र ऋषि जी महाराज

एएमकेएम में आचार्य आनंद ऋषि महाराज का जन्मोत्सव तप त्याग और गुणगान के साथ मनाया गया

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में श्रमणसंघीय युवाचार्य महेंद्र ऋषिजी के सान्निध्य में आचार्य आनंद ऋषि महाराज की जन्म जयंती समारोह तप-जप और गुणगान के साथ मनाई गई। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ तमिलनाडु के मंत्री धमीचंद सिंघवी ने स्वागत भाषण में कहा कि आज का यह पावन दिवस हम सभी यहां मना रहे हैं। पूरे देश से श्रद्धालुओं का आगमन हुआ है। आज से 52 वर्ष पहले कुशालपुरा में आचार्य आनंद ऋषि का चातुर्मास हुआ, वह आज तक नहीं भूल पाए। युवाचार्यश्री का चातुर्मास कराने का अवसर मिला है। उपनगरों के सभी संघों का संगठन बनाकर महासंघ बनाया गया। सबकी सहभागिता से यह चातुर्मास आगे बढ़ रहा है। आज बड़ी संख्या में सामूहिक तेलों का आयोजन हुआ। युवाओं के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं ताकि भावी पीढ़ी धर्म से जुड़ सके। आपका सहयोग मिलेगा तो महासंघ को सफलता मिलेगी। उन्होंने बताया कि आगामी 9 अगस्त को अर्थमेटिक विशेषज्ञ वैज्ञानिक अनुपम जैन कार्यशाला आयोजित करेंगे। उन्होंने महासंघ की ओर से उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी को उनके अवतरण दिवस की शुभकामनाएं दी। युवाचार्यश्री ने 'ज्यों की त्यों कर दी चदरिया' विषय पर अपने संबोधन में कहा कि प्रभु कहते हैं जिस श्रद्धा, दृढ़ता से तुम आगे बढे हो, उसी तरह आगे बढ़ते रहो। भावों के रूप में कुछ विपरीत परिस्थितियां आए तो अपने लक्ष्य से विचलित नहीं हो। ऐसी स्थिति में आचार्य आनंद ऋषि कीचड़ में कमल की तरह उभरे। सबसे पहले उन्होंने मानवता की चादर ओढ़ी। मानव जीवन को हर क्षण सार्थक बनाने का पुरुषार्थ किया। जीवन की संयम जिम्मेदारी की चादर को निर्मल रखा। उनके अंतिम समय में शरीर का राग नहीं रहा। हम उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का यथासंभव प्रयास करें। महासती मलयाश्री ने भाव भरा स्तवन प्रस्तुत किया और कहा कि गुरु और गुरूणीजी दोनों का जन्म दिन आज एक साथ मनाया जा रहा है। महासती अणिमाश्री व मलयाश्री ने काव्यपाठ द्वारा आचार्य आनंद ऋषि का गुणगान किया। महासती दिव्ययशाश्री ने कहा कि महापुरुषों का जन्म, जीवन व संयम पवित्र होता है। ऐसे कई उदाहरण आचार्य आनंद ऋषि के जीवन के है। वे अपनी वचन शक्ति में बहुत ही दयालु, निमोर्ही व पारदर्शी पथिक के समान थे। अज्ञान के अंधकार को दूर कर सबके जीवन में प्रकाश करने वाले थे। उनका जीवन गंगा के जल के समान निर्मल था। उनके प्रति श्रद्धा भक्ति रखते हुए हम जीवन को धन्य बनाएं। इस अवसर पर एक छोटी बालिका प्रभावी कासवा ने ओसवाल परिवार की ओर से उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी को अवतरण दिवस पर शुभकामना अर्पित की। इस दौरान जलगांव से आए श्रद्धालुओं ने युवाचार्य के संयम जीवन पर आधारित 'संस्कारों से संयम की ओर' मार्मिक नाटिका प्रस्तुत की। कुछ भावुक क्षणों की प्रस्तुति में उपस्थित श्रद्धालु अत्यंत भावुक हो उठे। लुधियाना श्री संघ के अध्यक्ष संजीव जैन व मुदुर संघों की ओर से आगामी युवाचार्य श्री के चातुर्मास की विनंती रखी। श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस के अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी, पूर्व अध्यक्ष पारस मोदी, सज्जनराज तालेड़ा ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर युवाचार्यश्री ने शीतल गुगले को मासक्षमण के प्रत्याख्यान कराए महासंघ के अध्यक्ष सुरेश चंद लुणावत महामंत्री धमीचंद सिघंवी ओर पदाधिकारियों तथा महासंघ महिला मंडल की बहनो ने मासक्षमण एवं तेले तप करने वाले सभी तपस्वियों का सामूहिक रुप से बहुमान किया। मध्याह्न 3 बजे सुप्रसिद्ध संगीतकार रोहित लुंकड़ ने आनंद जन्मोत्सव व तपस्यार्थियों की अनुमोदना करते हुए अपनी प्रस्तुति दी।

समाज के रीति रिवाजों को स्वीकारना आवश्यक हैः सीए कमलेश जैन

अप्रप्रस का राष्ट्रीय अधिवेशन अजमेर में संपन्न

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

अजमेर। संगठित समाज में रहकर ही व्यक्ति अनुशासन सीखता है, समाज में रहकर ही व्यक्ति अपनी संस्कृति और रीतिरिवाजों को सीखता है । सभी सामाजिक स्वयं सेवी संगठनों का कर्तव्य है कि वे आने वाली पीढ़ी को अपनी संस्कृति एवम अपनी रीतिरिवाजों से अवश्य परिचित कराएं। असंगठित समाज का व्यक्ति अनुशासन में रहता है, साथ ही वह अपनी समाज के रीतिरिवाजों एवम संस्कृति के विपरीत कार्य करता है । उक्त उद्गार अखिल भारतीय जैसवाल जैन उपरोचियां सेवा न्यास के महामंत्री सीए कमलेश जैन गुरुग्राम ने अजमेर के बिड़ला वाटर पार्क में अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह के राष्ट्रीय अधिवेशन में उपस्थित क्षेत्रीय संयोजकों को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैसवाल जैन उपरोचियाँ समाज की सेवा भावी संस्था अविवाहित प्रतिभाएं प्रस्तुति समूह का द्वितीय राष्ट्रीय अधिवेशन रविवार 04 अगस्त को बिड़ला वाटर पार्क अजमेर में विगत दिवस संपन्न हुआ। अप्रप्रस के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक मनोज जैन नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के प्रथम सत्र में श्रावक श्रेष्ठी पवन जैन बिड़ला अजमेर, सीए कमलेश जैन गुरुग्राम, सुनील जैन ढिलवारी अजमेर, सुदीप जैन गुरुग्राम, रूपेश जैन चांदी आगरा, बालचंद जैन ग्वालियर ने चित्र अनावरण एवम दीप प्रज्वलित किया । राष्ट्रीय संयोजक रूपेश जैन उत्तम नगर दिल्ली ने स्वागत भाषण एवम अजय जैन शिवपुरी ने संस्था की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की । राष्ट्रीय संयोजक रविंद्र जैन जमूसर भोपाल ने संचालन करते हुए बताया कि देशभर की 50 शैलियों से आए हुए 150 से अधिक क्षेत्रीय संयोजकों ने अपने अपने परिचय के साथ विचार व्यक्त किए। अधिवेशन में अजमेर शैली ने सभी पधारे हुए बंधुओं की अति सुंदर आवास, यातायात एवम भोजनादि की व्यवस्था की। अजमेर जैन समाज के अध्यक्ष पवन जैन बढ़ारी बिड़ला वाटर पार्क के नेतृत्व में स्थानीय क्षेत्रीय संयोजकों ने सभी का आत्मीय स्वागत सत्कार किया । इस बार के अधिवेशन में काफी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति भी रही। सभी ने अपने अपने विचार भी प्रस्तुत किए । कार्यक्रम में वीरेंद्र जैन बाड़मेर, अनिल जैन बंधु मकराना, मनोज जैन कोटा, अजीत जैन, संजय जैन आगरा, नरेश जैन, प्रवीण जैन बड़ोदरा, सुरेशचंद जैन साउथ एक्स, सगुनचंद जैन दिल्ली, अतुल जैन आगरा, राजकुमार जैन आगरा सहित सैकड़ों की संख्या में उपस्थिति थी।

केंसर मरीजों के साथ बांटी हिम्मत और मुस्कान

इनर व्हील क्लब कोटा नार्थ पहुंचा एम बी एस के केंसर वार्ड में

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। इनरव्हील क्लब कोटा नॉर्थ के सदस्य एम बी एस हॉस्पिटल में केंसर वार्ड के मरीजों के बीच हौंसला बढ़ाने पहुंचे। क्लब सदस्य शशि झंवर जो खुद कैंसर की जंग लड़ चुकी है उन्होंने डॉ आर के तंवर के साथ कैंसर वार्ड के सभी भर्ती 70 पेशेंट को हिम्मत बँधवाई और मुस्कराने की सलाह दी कि ईश्वर हमारे साथ है उस पर भरोसा रखें सब जल्द रिकवर होंगे। वार्ड के सभी मरीजों को बिस्किट्स, फ्रूट्स बाँटे इस पुनीत कार्य में अध्यक्ष सरिता भूटानी, सेकेट्री डॉ विजेता गुप्ता व दीपिका चौहान ने उनका पूरा साथ दिया और साल भर सेवा देने का आश्वासन दिया मरीजों को हिम्मत देने और मुस्कान बिखेरने के इस कार्य के लिये डॉ तंवर ने क्लब सदस्यों की सराहना की और धन्यवाद दिया।

पार्श्व जैन मिलन अशोकनगर द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

अशोकनगर। आज जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के संदेश एवं सिद्धांत पर आधारित सिटी पब्लिक स्कूल अशोकनगर मैं प्रथम वर्ग कक्षा 3 से 5 तक में 108 बालक बालिकाओं ने तथा दूसरे वर्ग जो कक्षा 6 से 8 तक मैं 95 बालक बालिकाओं ने इस तरह कुल 203 प्रतिभागियों ने भाग लिया भाग लिया राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री अतिवीर नरेश चंद्र जैन द्वारा बताया की यह बर्ष भगवान महावीर स्वामी के 2550 वां निर्वाण महोत्सव है इसको हम बर्ष भर विभिन्न कार्यक्रम करेंगे जिसमें इसी माह भाषण प्रतियोगिता भी आयोजित की जाएगी शाखा अध्यक्ष वीर धीरेन्द्र जैन, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष वीर सुनील जैन , वीर प्रवीण जैन शाखा मंत्री वीर नीरज जैन वीर गोरव जैन द्वारा स्कूल संचालक नवीन जैन एवं अन्य सभी स्टाफ के साथ प्रतियोगिता आयोजित हुई सिटी पब्लिक स्कूल के समस्त स्टाफ का बहुत बहुत बहुत आभार व्यक्त किया।

जैन सोशल ग्रुप गोल्ड का सुहावने मौसम में गेट टू गैदर कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिंकसिटी की लाजवाब जगह आगरा रोड के कानोता केम रिसोर्ट में जेएसजी गोल्ड के मेंबर्स और बच्चों ने खूब एंजॉय किया। गोल्ड ग्रुप के अध्यक्ष राजकुमार बेद और संस्थापक अध्यक्ष राकेश गोधा ने बताया कि जयपुर के पास कानोता बांध के पास बने केम रिसोर्ट की दीवार के पास बांध के पानी का ऐसा सैलाब है, जैसे उदयपुर की झील हो। गोल्ड ग्रुप के निवर्तमान अध्यक्ष सुरेंद्र पाटनी और सचिव मनीष जैन चांदवाड के अनुसार सदस्यो ने रजिस्ट्रेशन काउंटर पर स्वागत और अल्पाहार के साथ साथ कराओके की धुन पर प्रसिद्ध गायिका दीपशिखा जैन, राकेश गोधा, योगेश गोधा और अक्षत पाटनी के गीतो का खूब आनंद लिया। रविवार को बारिश के टिपटिप बरसते पानी के बीच रिमझिम वाला रेन डांस, स्विमिंग पूल तथा पानी के खेलों का खूब आनंद लिया। कार्यक्रम में सभी का ग्रुप के भरत प्रतिभा जैन, जीतेश निर्मल लुहाड़िया, वाणी प्रकाश शीला पाटनी आदि ने मित्रता दिवस पर स्नेहभरा भावभीना स्वागत सत्कार किया। सदस्यों ने ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे, दोस्ती के इस चर्चित गीत को गाते हुए इस पर डांस करके, दोस्ती की प्रगाढ़ता का वचन दिया। दोस्ती पर सरिता गोधा के संचालन में रोचक हाऊजी खेली गई, जिसके पुरस्कार ग्रुप के मनीष लक्ष्मी अग्रवाल जैन द्वारा दिए गए।

रिद्धि मंत्रों के साथ किया किया भक्तांबर पाठ आयोजन

चौबीस घंटे का अखण्ड पाठ कर की महा आरती। प्राचीन परंपरा में शामिल है अखण्ड पाठ इसे बनाये रखें : एस पी विनीत कुमार

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

शहर के प्राचीन जैन मंदिर श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन गांव मन्दिर में श्री भक्तांबर मंडल के संयोजक में अखण्ड भक्तामर पाठ आयोजन भक्तों की जय जय कर के साथ किया गया यह अखण्ड पाठ शानिवार की शाम रात्रि आठ बजे जिला पुलिस अधीक्षक विनित कुमार जैन के मुख्य आतिथ्य में किया गया जहां संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एस पी विनित कुमार जैन नेता प्रतिपक्ष रीतेश जैन आजाद समाज अध्यक्ष राकेश कासंल उपाध्यक्ष अजित वरोदिया प्रदीप तारई महामंत्री राकेश अमरोद मंत्री विजय धुर्रा संयोजक मनीष सिघई थूवोनजी कमेटी महामंत्री विपिन सिंघई निर्मल मिर्ची दारा किया गया।

गांव मन्दिर में श्री भक्तांमर जी की परम्परा बहुत पुरानी है: समारोह में जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि गांव मन्दिर में श्री भक्तांमर विधान की परम्परा बहुत पुरानी है पुरानी पीढ़ी के दादा वावूलालजी खुशाल चन्द्र जी चौथमल जी अपनी मधुर ध्वनि से श्री आदिनाथ स्वामी के दरवार में हर रविवार को संगीत के साथ भक्तांमर विधान होता रहा था श्री भक्तांमर मंडल द्वारा संगीत के साथ युवाओ की टोली बनाकर जिनालय को बहुत ही सुंदर तरीके से सजाकर सभी के आकषर्क का केंद्र बनाया गया।

धर्म समाज संस्कृति से ही राष्ट्र सेवा भावना जागृत होती है: एस पी विनीत कुमार

समारोह को संबोधित करते हुए एस पी विनीत कुमार ने कहा कि बुंदेलखंड में सदियों से अखण्ड पाठ की परम्परा थी अव अखण्ड पाठो का आयोजन बहुत कम हो गया है अशोक नगर

में श्री भक्तांबर मंडल द्वारा संगीत के साथ अखण्ड पाठ करना और उसे इस तरह से सभी ग्रुपो के साथ ही समाज की बड़ी सहभागिता के साथ रिद्धि सिद्धि दायक दीप प्रज्जवलन के साथ जुड़ कर प्रभु भक्ति से जोड़ना बहुत अच्छी पहल है इस तरह के आयोजन होते रहना चाहिए उन्होंने कहा कि समाज के छोटे छोटे आयोजने से वच्चो को समाजिक कार्यों के प्रति लगाव होने लगता है यही सब संस्कार हमें हमारी संस्कृति से जोड़ते हैं जो धर्म समाज और राष्ट्र सेवा भावना जागृत करतीं हैं इस दौरान जैन समाज के अध्यक्ष राकेश कासंल ने कहा कि गांव मन्दिर का निर्माण कार्य बहुत तेज से चल रहा है हम बड़े बाबा से प्रार्थना करते हैं हमें ऐसी शक्ति प्रदान करें हम बहुत सीघ नगर में महा महोत्सव का आयोजन कर सभी जिन प्रतिमाओं को दिव्य आसान पर विराजमान कर सकें।

वर्तमान में जीने का पुरुषार्थ करो, अवसाद मुक्त रहो: अंतमुर्खी मुनि पूज्य सागर महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

इंदौर। अंतमुर्खी मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के चातुर्मास धर्म प्रभावना रथ के दूसरे पड़ाव के छठे दिन हाई लिंक सिटी में बड़ी भक्ति भाव से भक्तामर महामंडल विधान में अर्घ्य चढ़ाए गए। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि सर्वप्रथम जिनेंद्र भगवान के अभिषेक व शांति धारा का सौभाग्य संजय बरखा, यश उमंग बड़जात्या और आज के भक्तामर महामंडल विधान के पुण्यार्जक लीड्स महिला मंडल को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात नित्य नियम पूजन के साथ भक्तामर महामंडल विधान में आज कुल 20 काव्यों के साथ 1120 अर्घ्य समर्पित किए गए। आचार्य अभिनंदन महाराज के चित्र अनावरणकर्ता व दीप प्रज्वलनकर्ता लीड्स महिला मंडल, जीतू पाटोदी, संजय गंगवाल रहे। अंतमुर्खी परम पूज्य मुनि श्री पूज्य सागर जी महाराज के पाद पक्षालन व शास्त्र भेंट का सौभाग्य लीड्स महिला मंडल, हाई लिंक महिला मंडल को प्राप्त हुआ। **वर्तमान में जीने का पुरुषार्थ रखें:** इस अवसर पर मुनि श्री ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में बहुत सारा ऐसा वातावरण बनता है कि हम अवसाद, तनाव में आ जाते हैं। अवसाद शारीरिक, मानसिक और आर्थिक

दुखों को देने वाला होता है। उसे समय व्यक्ति को कुछ समझ नहीं पड़ता है और वह अपनी अच्छाई और बुराई को भी जान नहीं पाता। इसको हमें एक उदाहरण से देख सकते हैं एक व्यक्ति संत के पास गया और संत से कहा कि हे गुरुदेव मुझे एक तनाव होता है, वह खत्म नहीं होता और दूसरा तनाव आ जाता है तो उसके लिए क्या किया जाए तो गुरुदेव ने कहा कि तुम आज की रात यहीं रुको। कल सुबह मैं तुमको बताता हूं फिर उन्होंने रात को उसे कहा कि यहां पर 100 ऊंट हैं। उन ऊंटों को तुम्हें बिठाना है और फिर तुम सुबह मेरे पास आना। वह पूरी रात इसी पुरुषार्थ में रहा लेकिन वह एक ऊंट को बिठाता तो दूसरा खड़ा हो जाता। सुबह वह जब गुरु के पास गया तो गुरु ने पूछा क्या हुआ तो उसने कहा कि मैं एक को भी नहीं बिठा पाया। तो गुरु ने समझाया कि जीवन भी ऐसा ही है एक तनाव आएगा वह सही होगा और दूसरा तनाव आ जाएगा। अवसाद का सबसे बड़ा कारण होता है पुरानी दुश्मनी, पुराने काम को पकड़ कर बैठना। अवसाद एक ऐसा जहर है जो परिवार, मित्र, भगवान से भी संबंध को तोड़ देता है। टेंशन से के संबंधी कर्म का बंद होता है इसलिए वर्तमान में जीने का पुरुषार्थ रखना चाहिए और जिसे वर्तमान को छोड़ दिया उसका भविष्य और भूत, दोनों बिगड़ जाते हैं।

भीतर से समृद्ध होने से बाहर की सम्पदा गौण हो जाती है: मुनि प्रणम्य सागर महाराज

जयपुर में पहली बार मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर चल रहा पार्श्व पुराण का वाचन। मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर मंगलवार को प्रातः 8.15 बजे होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मुखारबिन्द से मीरा मार्ग के आदिनाथ भवन पर कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण का वाचन किया गया। जिसमें जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ के सात भव पूर्व के वृतांत में चक्रवर्ती के राज,उसकी शोभा व वैभव के बारे में बताते हुए मुनि श्री ने कहा कि चक्रवर्ती 6 खण्डों का अधिपति होता है, उसके 96 हजार रानियाँ होती है। जिनके पास काल निधि, महाकाल निधि जैसी 9 निधियां व 14 रत्न होते हैं। मुनि श्री ने इस प्रसंग में बताया कि भारत का वैभव तीन हजार वर्ष पूर्व तक ऐसा ही था। धीरे-धीरे काल के प्रभाव से और बाहरी लोगो द्वारा लूटकर इस देश को खोखला करने से यह सब समाप्त हो गया। जो भारत सबको ज्ञान देता था तथा विश्व गुरु कहलाता था उसके बच्चे आज विदेशों में पढने के लिए बेबस है। यदि हमें भारत को एवं धर्म को बचाना है तो अपने बच्चों को अपना स्वयं का व्यवसाय करने के लिए प्रेरित करे। उसे इन्हीं अर्थों में स्वावलंबी बनाये। मुनि श्री ने आगे कहा कि बाएं हाथ की रेखाएं पूर्व भव जनित कर्मों को दशार्ती है, वहीं दाएँ हाथ की रेखाएं हमारे पुरुषार्थ से बनती और बिगड़ती है। भीतर से समृद्ध होने से बाहर की सम्पदा गौण हो जाती है। कथा के दौरान सजीव पात्रों ने मनमोहक अभिनय कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। इससे पूर्व मनीष - रचना चौधरी एवं संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की संगीतमय पूजा की गई। आचार्य समय सागर महाराज एवं मुनि प्रणम्य सागर महाराज का अर्घ्य चढाया गया। तत्पश्चात महावीर नगर निवासी समाजश्रेष्ठी रमेश चन्द, मनोरमा देवी धर्म चन्द भौंच पीलिया वाले परिवार द्वारा संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज एवं आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का जयकारों के बीच अनावरण किया गया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया।

तत्पश्चात मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेट करने का पुण्यार्जन किया। इस मौके पर न्यूयार्क निवासी संजय पाण्डया ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। अतिथियों को प्रमोद पहाड़िया, लोकेन्द्र जैन ने प्रतीक चिह्न भेट कर सम्मानित किया। समिति के संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में मंगलवार 6 अगस्त को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। दोपहर में 3.00 बजे शास्त्र चर्चा होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

मिशन चहक की पहल पर पक्षियों का आशियाना भेंट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। कांक्रीट के इस बढ़ते हुए दौर में जहां जंगल का तेजी से समापन हो रहा है। वहीं हमारे वन्य जीव, पशु-पक्षियों के वास भी समाप्त होते जा रहे है। इसी समस्या के समाधान के स्वरूप मिशन चहक के माध्यम से स्लैश एंड क्राउन एजेन्सी के द्वारा निजी स्कूल के 300 बच्चों को पक्षियों के घोंसले का वितरण किया गया। गोविंद तिवारी ने बताया की इस मिशन के तहत नए घरों ओर फ़्लैट में पक्षियों के घर बनाने की जगह नहीं होती, इसलिए अगर इनके रहने के लिए मानव निर्मित घोंसले लगाए जाए तो उन्हें पर्यवास मिल सकता है। कार्यक्रम में सुनयना,नंदिनी ओर अजय ने इन विशेष घोंसलों का वितरण किया।

सुनील कुमार जैन ने कलेक्टर एवं जिला अधिकारी राजेंद्र पेन्सिया से शिष्टाचार भेंट की

जयपुर. शाबाश इंडिया। जयपुर के अरिहंत पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स के सुनील कुमार जैन ने उत्तर प्रदेश के संभल जिले के कलेक्टर एवं जिला अधिकारी राजेंद्र पेन्सिया (आई.ए.एस.) से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर अरिहंत पब्लिशर्स द्वारा प्रकाशित 5 dictionary का विमोचन भी किया गया। राजेंद्र पेन्सिया ने अरिहंत द्वारा प्रकाशित पुस्तकों की सराहना की एवं शिक्षा के क्षेत्र मे सुनील जैन द्वारा दिए गए योगदान हेतु शुभकामनायें प्रेषित की।

लायन्स क्लब जोधपुर मेहरानगढ का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

साधना मोहनोत ने ली अध्यक्ष पद की शपथ

आयुष पाटनी.शाबाश इंडिया

जोधपुर। लायन्स क्लब जोधपुर मेहरानगढ की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह होटल चंद्रा इंपीरियल में आयोजित किया गया। इसमें शपथ ग्रहण अधिकारी डॉ. डी. एस. चौधरी साहब, पूर्व प्रातपाल सुरेश जी गोयल साहब के सानिध्य में नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई।निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती नवीनकुमारी सोनी ने मेहमानों का स्वागत किया और पिछले कार्यक्रम का ब्यौरा पेश किया और आशा करते हुए कहा कि नई गठित टीम ज्यादा उत्साह से कार्य करेगी और अपने दायित्वों को निष्ठापूर्वक निभायेगी व सेवाकार्यों को सर्वोपरि रखेगी। अध्यक्ष श्रीमती साधना मोहनोत ने बताया कि इस वर्ष पूरे साल के कार्यक्रम में महिला व बच्चों के सशक्तिकरण, उत्थान के लिए चिकित्सा क्षेत्र में व शिक्षा के क्षेत्र में काम करेगी। सेवाभावी साधना मोहनोत अलग अलग क्षेत्रों में सेवा का काम करती रहती है और बालिकाओं के उत्थान व आत्मनिर्भरता के लिए राजकीय गणेशीलाल चिल्का स्कूल में साधना सिलाई केन्द्र चालू करवा दिया है। इस समारोह में श्रीमती लीला संचेती, श्रीमती शिलाजी जोशी, श्रीमती नवीनकुमारी सोनी, श्रीमती सुलेखा भंसाली, डॉ. बबीता गुर्जर, श्रीमती मौसमी तातेड़, श्रीमती कांता कानूंगा, श्रीमती अंजु सेठिया, श्रीमती पुष्पा सालेचा, श्रीमती विजयलक्ष्मी नाथ, मौसमी तातेड़, कान्ता का नूगा, पुष्पा सालेचा आदि उपस्थित रहे।

नि:शुल्क बहुउद्देश्यीय चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

315 से अधिक मरीज हुए लाभान्वित

सीकर. शाबाश इंडिया। श्री कल्याण राजकीय मेडिकल कॉलेज (कम्यूनिटी मेडिसिन विभाग) व जैन सोश्यल ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में निकटवर्ती ग्राम दूजोद के श्री दिगम्बर जैन मंदिर परिसर में रनि:शुल्क बहुउद्देश्यीय चिकित्सा शिविरर का आयोजन सोमवार को किया गया । यह शिविर जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन नॉर्दन रिजन के 4 अगस्त से 18 अगस्त के मध्य आयोजित आश्रय सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित किया गया। श्री कल्याण राजकीय मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल शिव रतन कोचर ने बताया कि शिविर बहुत ही सफल रहा और ग्रुप द्वारा बहुत बढ़िया व्यवस्था की गई । सोश्यल ग्रुप के मंत्री अनिल जैन व शिविर मुख्य संयोजक केसर रारा ने बताया कि शिविर में कुल 315 मरीजों की जांच की गई तथा उन्हें उचित परामर्श विशेषज्ञ टीम द्वारा दिया गया । शिविर स्थल पर जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गई ।मीडिया प्रभारी विवेक कुमार पाटोदी ने बताया कि शिविर में शिशु रोग, स्त्री रोग, मेडिकल विभाग , नाक, कान, गला रोग, सर्जरी सम्बंधी, हड्डी रोग, नेत्र रोग , टी.बी. श्वसन रोग, चर्म रोग आदि से संबंधित विशेषज्ञ टीम द्वारा मरीजों की जांच की गई । शिविर संयोजक मनीष रारा , नवीन रारा व रितेश रारा ने बताया कि शिविर के उद्घाटन पर ग्रुप के मनोज बाकलीवाल , सुनील पहाड़िया , अभिषेक सेठी सहित ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे ।

मैत्री ट्रेड फेयर पूरे जोश के साथ हुआ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिनांक 2 से 4 अगस्त त्रि- दिवसीय मैत्री ट्रेड फेयर में बच्चे, बड़ो, जैन समाज के साथ सर्व समाज ने लिया शॉपिंग का आनंद, लजीज खान पान और फ्री गेम्स खेलने का मौका और सभी वर्ग ने मैत्री ट्रेड फेयर के इस दूसरे प्रयास को भरसक सराहा। यह ट्रेड फेयर जैन भवन प्रांगण, श्री चन्द्रप्रभ दिगम्बर जैन मंदिर परिसर, दुगार्पुरा, टोंक रोड जयपुर में संपन्न हुआ। मैत्री ट्रेड फेयर के मुख्य संयोजक आलोक कुमार जैन ग्रुप ने बताया कि यह 3 दिवसीय ट्रेड फेयर 2 से 4 अगस्त के बीच प्रातः 10 बजे से रात्रि 9 बजे तक राखी एवं स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में, विशेषकर समाज की महिला उधमियों को प्रोत्साहन करने हेतु दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप मैत्री जयपुर के तत्वावधान में आयोजित किया गया। जहाँ साड़ी, सलवार सूट, ज्वेलरी, राखियां, बेडशीट, जीवन बीमा, बैग, स्टेशनरी, सभी प्रकार के परिधान, खिलौने, घर के उपकरण, सजावट की वस्तुएं, किचन प्रोडक्ट, गिफ्ट आइटम,खाद्य सामग्री, फ्हहंशी१, मसाले, डिजिटल मार्केटिंग व अन्य सामान उचित दरों में मिलेंगे साथ ही खरीदारी के साथ-साथ चटपटे व्यंजन का भी आनंद लिया गया। कार्यक्रम का डिजिटल प्रचार प्रसार राजस्थान की अग्रणी डिजिटल मार्केटिंग एजेंसी अरिहंत ग्लोबल सर्विसेज और मानव इनवाइट्स ने डिजिटल इन्विटेशन के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक रमेश सोगानी ने बताया कि कार्यक्रम का उदघाटन डॉक्टर अरूण अग्रवाल (कार्यकारी अध्यक्षः फोर्टी, महासचिव राजस्थान चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के कर कमलों से हुआ, साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में ओमप्रकाश मोदी (समाजसेवी) एवं दीप प्रज्ज्वलन कर्ता प्रमोद नीना पहाड़िया एवम फेडरेशन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अनिल जैन क्कर, सुरेन्द्र पांड्या, रीजन अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महासचिव निर्मल सांघी, दुगार्पुरा जैन मंदिर के अध्यक्ष प्रकाश चांदवाड, राजेंद्र काला, एवं समाज के अन्य गणमान्य सदस्य गण उपस्थित थे। कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र अजमेरा एवं रितेश अजेमरा ने बताया हेल्थकेयर एसोसिएट के रूप में डॉक्टर सुनील धंड एवं टीम ने अपनी सेवाए प्रदान की साथ ही राहुल टोंग्या के प्रयास से डॉक्टर सुमन गुप्ता ने नेत्र जांच शिविर में पधारे हुए जन समूह की निःशुल्क जांच की। इस मौके पे समाज के वरिष्ठ जन, एवं वार्ड 86 के पार्षद दामोदर मीणा भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक अतुल बिलाला ने पधारे हुए सभी मेहमानों की अगवानी की। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन से इस ट्रेड फेयर में फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, राष्ट्रीय महा सचिव विपुल बाँझल राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अतुल बिलाला के अलावा अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारी एवं जैन समाज के अन्य प्रतिष्ठित महानुभाव जयपुर ही नहीं वरन भारतवर्ष के कई राज्यों से भी आये।

लहरिया उत्सव "आया सावन झूम के" का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला अंचल राजस्थान द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 5 अगस्त 2024 सोमवार को लहरिया उत्सव ''आया सावन झूम के'' गुलाबगढ़ रिजॉर्ट मानसरोवर में आयोजित किया गया, कार्यक्रम में सदस्यों के लिए लहरिया थीम रखी गई थी। अंचल कोषाध्यक्ष श्रीमती विद्युत लुहाडिया ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत सभी संभागों के अध्यक्ष और मंत्रियों के द्वारा भक्तामर स्त्रोत के 26 वें काव्य के माध्यम से मंगलाचरण करके की गई, तत्पश्चात श्रीमती रचना जैन के द्वारा बहुत ही सुंदर मंगलाचरण नृत्य की प्रस्तुति दी गई। श्रीमती सुधा लुहाडिया एवं श्रीमती भावना झांझरी को कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया।

जयपुर कैपिटल युवा संभाग की अध्यक्षा श्रीमती रचना बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम में विभिन्न राउंड्स में ₹सावन की रानी₹ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें सांगानेर संभाग की अध्यक्षा श्रीमती अंजना जैन को सावन की रानी के खिताब से नवाजा गया, वही फर्स्ट रनर अप श्रीमती हेमा जैन थड़ी मार्केट मानसरोवर से रही, और सेकंड रनर अप श्रीमती अक्षिता जैन वामा संभाग से रही। सावन क्वीन प्रतियोगिता के सभी विजेताओं को एवं सभी प्रतियोगियों को जयपुर कैपिटल युवा संभाग द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में निर्णायक मण्डल की भूमिका श्रीमती सविता जैन बगड़ा और श्रीमती उषा गोधा किशनगढ़ द्वारा निभाई गई। श्रीमती मोना झांझरी अध्यक्षा वामा संभाग के द्वारा म्यूजिकल हाउजी खिलाई गई जिसका सभी सदस्यों ने मस्ती और नृत्य करते हुए बहुत आनंद लिया। कार्यक्रम में त्रिशला संभाग दुगार्पुरा की श्रीमती चंदा सेठी और रेनू पांड्या द्वारा सरप्राइज गिफ्ट्स दिए गए। लकी ड्रॉ की गिफ्ट्स श्रीमती अनीता बारदार की तरफ से प्रदान की गई। महासमिति की राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती शीला जैन डोड्या ने बताया कि महासमिति की सदस्याओं ने मानवता के क्षेत्र में पदार्पण करते हुए देहदान के लिए संकल्प पत्र भरे। राजस्थान अंचल की अध्यक्षा श्रीमती शालिनी बाकलीवाल, श्रीमती रेणु बाकलीवाल एवं श्रीमती मोना देवी बाकलीवाल, एक ही परिवार की तीन महिलाओं ने देहदान के लिए संकल्प पत्र भर के एक अनूठी मिसाल कायम की। इसके अलावा अंजना जैन तारामणि गोधा, कमलेश जैन, संतोष जैन, विनीता अजमेरा, उषा शाह, रेणु जैन, आशा नवराज, रिंकू जैन, सुरबाला जैन, सुनीला कासलीवाल आदि ने भी देहदान के लिए संकल्प पत्र भरे। सुशील छाबड़ा ने बताया कि सभी सदस्यों ने वहां पर विभिन्न फन एक्टिविटीज और गेम्स का आनंद लिया, जिनमें निशानेबाजी, बैलून शूटिंग, मेहंदी, कैमल राइडिंग, हॉर्स राइडिंग, फोक डांस, कठपुतली डांस, सभी का आनंद लिया और कार्यक्रम की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शालिनी बाकलीवाल एवं श्रीमती विनीता जैन बोहरा के द्वारा किया गया।